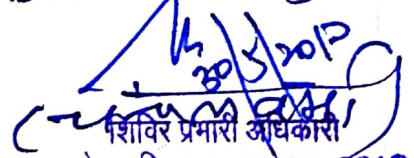


काई सरकार विभाग/अवकाश पर हैं। ~~कालो~~  
इच्छा होकर दिनांक 21/03/2018  
को पेश है।

17/01/2018

30/5/18

पत्रावली निम्न क्रम को ही डी.प्रा.वा. कल  
में पेश हुई। चूंकि मूल वाद वारिज  
हो चुका है, इस प्रकार पत्र को ही  
पत्रावली का कोई भी चिह्न नहीं है।  
इस प्रकार प्रकरण पर पं. 212 Pt  
में ही वारिज किया गया है। पत्रावली  
के लिये गुणा होकर वास्तविक रूप में  
जो पत्र वारिज न्यायपालिका में भेजा है, उसे  
कोई भी गुणा नहीं है।

  
प्रकाश प्रसाद  
रा. लो. अ. अ. नि. न्याय आपके द्वार-2018  
पद संयोजक अधिकारी बावडी